Dainik Jaghran-New Delhi-11-05-2011

कवायद : मेट्रो मैन ई.श्रीधरन ने मानव संसाधन मंत्री कपिल सिब्बल को लिखा पत्र

इंजीनियरिंग कॉलेजों में होगी मेट्रो की पढ़ाई!

विशेष

- मेट्रो रेल तकनीकी को पाठ्यक्रम में शामिल करने का सुझाव

आशुतोष झा, नई दिल्ली

देश के प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग कालेजों से छात्र भविष्य में 'मेट्रो रेल तकनीकी' इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर सकेंगे। अगले कुछ सालों में मेट्रो रेल के होने वाले विस्तार के बाद उसके संचालन के लिए पड़ने वाली हजारों इंजीनियरों की जरूरत के मद्देनजर डीएमआरसी के प्रबंध निदेशक ई. श्रीधरन ने हाल ही में मानव संसाधन विकास मंत्री कपिल सिब्बल को ऐसा पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए पत्र लिखा है। दिल्ली-एनसीआर के अलावा मुंबई, बेंगलूर, चेन्नई, हैदराबाद तथा जयपुर में मेट्रो ट्रेन चलाने के प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है।

अगले चार से पांच साल में हजारों की संख्या में ऐसे इंजीनियरों की जरूरत होगी, जिन्हें मेट्रो रेल इंजीनियरिंग की समझ हो। मेट्रो मैन ने पत्र में प्रमुख इंजीनियरिंग कालेजों में मेट्रो रेल इंजीनियरिंग की पढ़ाई विशेष रूप से शुरू कराने का सुझाव दिया है। शुरुआत आईआईटी से की जा सकती है। श्रीधरन के पत्र की पुष्टि करते हुए उनके ओएसडी (विशेष कार्याधिकारी) एकेपी उन्नी ने कहा कि मंत्रालय से संतोषजनक जवाब मिला है। सूत्रों की मानें तो मंत्रालय ने आईआईटी के अलावा देश के अन्य इंजीनियरिंग कालेजों में मेट्रो रेल इंजीनियरिंग की पढ़ाई कैसे दी जाए, इस बारे में ऑल इंडिया काउंसिल ऑफ टेक्नीकल एजुकेशन (एआइसीटीई) से खाका तैयार करने को कहा है। अभी डीएमआरसी के पास मेट्रो ट्रेन के लिए जो प्रशिक्षित इंजीनियर है, उन्हें भी आईआईटी दिल्ली और चेन्नई की शाखा में एक साल का विशेष प्रशिक्षण दिया गया था। ई. श्रीधरन का मानना है कि अगर मेट्रो रेल तकनीक के बारे में चार साल का पाठ्यक्रम तैयार कर इसे सभी इंजीनियरिंग कालेजों में पढ़ाया जाए तो इसके बेहतर नतीजे सामने आएंगे। गौरतलब है कि सौ महीने पहले जब दिल्ली में मेट्रो का परिचालन शुरू हुआ था तो इसे चलाने में रेलवे इंजीनियरों की मदद ली गई थी। डीएमआरसी में कुल कर्मचारियों की संख्या आठ हजार के करीब है, जिनमें से आधे तकनीकी कर्मचारी हैं।

मेट्रो के 'स्मार्ट कार्ड सप्ताह' में कार्ड की बिक्री बढ़ी

नई दिल्ली, जासं : टोकन खरीदकर मेट्रो में यात्रा करने के बजाय अधिक से अधिक यात्री स्मार्ट कार्ड का इस्तेमाल करें, इस मकसद से 9 से 15 मई तक डीएमआरसी स्मार्ट कार्ड सप्ताह मना रही है। पहले दिन सोमवार को 12 हजार लोगों ने स्मार्ट कार्ड खरीदा। मेट्रो अधिकारियों के मुताबिक दिल्ली के सभी मेट्रो स्टेशनों को मिलाकर रोजाना नौ से दस हजार स्मार्ट कार्ड बिकते हैं। तो वहीं सोमवार को 12,906 स्मार्ट कार्ड बिके, जो दैनिक औसत से लगभग तीन हजार ज्यादा है। सबसे ज्यादा नई दिल्ली मेट्रो स्टेशन से 637 और उसके बाद चांदनी चौक से 609 स्मार्ट कार्ड बिके।मालूम हो कि अभी जितने यात्री मेट्रो में प्रतिदिन सफर करते हैं उनमें से सिर्फ 60 फीसदी ही स्मार्ट कार्ड का इस्तेमाल कर रहे हैं।